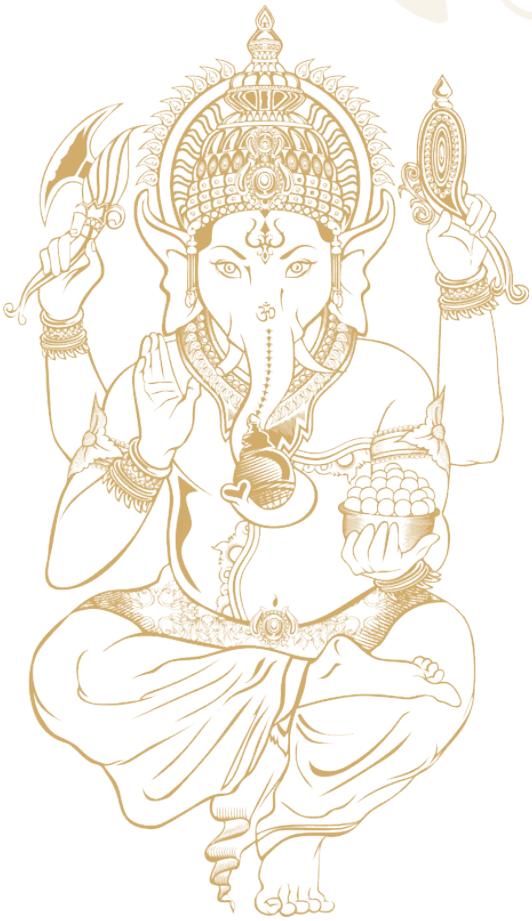

Mr. Devendra ji

Ms. Soniya

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120778201

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120778201 Date: 31/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/04/2007	जन्म तिथि	18-19/08/2008
मंगलवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 09:00:00	जन्म समय	05:00:00 घंटे
घटी 07:02:32	जन्म समय(घटी)	57:06:47 घटी
India	देश	India
Sojat River	स्थान	Sojat River
25:53:00 उत्तर	अक्षांश	25:53:00 उत्तर
73:45:00 पूर्व	रेखांश	73:45:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:35:00	स्थानिक संस्कार	-00:35:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:10:59	सूर्योदय	06:09:17
18:58:22	सूर्यास्त	19:07:45
23:57:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:58:52
वृष	लग्न	कर्क
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
मीन	राशि	कुम्भ
गुरु	राशि-स्वामी	शनि
रेवती	नक्षत्र	पू०भाद्रपद
बुध	नक्षत्र स्वामी	गुरु
4	चरण	3
विष्कुम्भ	योग	सुकर्मा
नाग	करण	वणिज
ची-चिराग	जन्म नामाक्षर	दा-दामिनी
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
विप्र	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
गज	योनि	सिंह
देव	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
सिंह	वर्ग	सर्प

Gayatri jyotish karyalaya
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 2वर्ष 6मा 29दि		20:07:16	वृष	लग्न	कर्क	16:23:33	गुरु 6वर्ष 7मा 16दि	
शुक्र		02:47:47	मेष	सूर्य	सिंह	02:23:15	शनि	
15/11/2016		27:58:30	मीन	चंद्र	कुंभ	27:48:38	05/04/2015	
15/11/2036		14:18:41	कुंभ	मंगल	कन्या	05:44:22	05/04/2034	
शुक्र	16/03/2020	16:33:55	मीन	बुध	सिंह	20:45:51	शनि	08/04/2018
सूर्य	16/03/2021	25:37:36	वृश्चि व	गुरु व	धनु	19:11:51	बुध	16/12/2020
चन्द्र	15/11/2022	11:56:19	वृष	शुक्र	सिंह	21:44:34	केतु	25/01/2022
मंगल	15/01/2024	24:12:11	कर्क व	शनि	सिंह	15:55:11	शुक्र	27/03/2025
राहु	15/01/2027	21:34:31	कुंभ व	राहु व	मक	24:34:46	सूर्य	09/03/2026
गुरु	15/09/2029	21:34:31	सिंह व	केतु व	कर्क	24:34:46	चन्द्र	08/10/2027
शनि	15/11/2032	23:00:37	कुंभ	हर्ष व	कुंभ	27:39:17	मंगल	16/11/2028
बुध	16/09/2035	27:41:07	मक	नेप व	मक	28:46:19	राहु	23/09/2031
केतु	15/11/2036	04:56:18	धनु व	प्लूटो व	धनु	04:37:48	गुरु	05/04/2034

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:57:36 चित्रपक्षीय अयनांश 23:58:52

लग्न-चलित

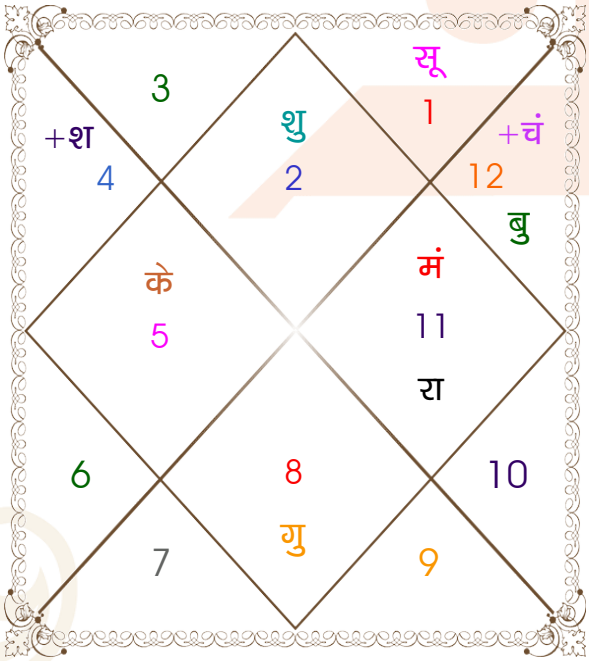

लग्न-चलित

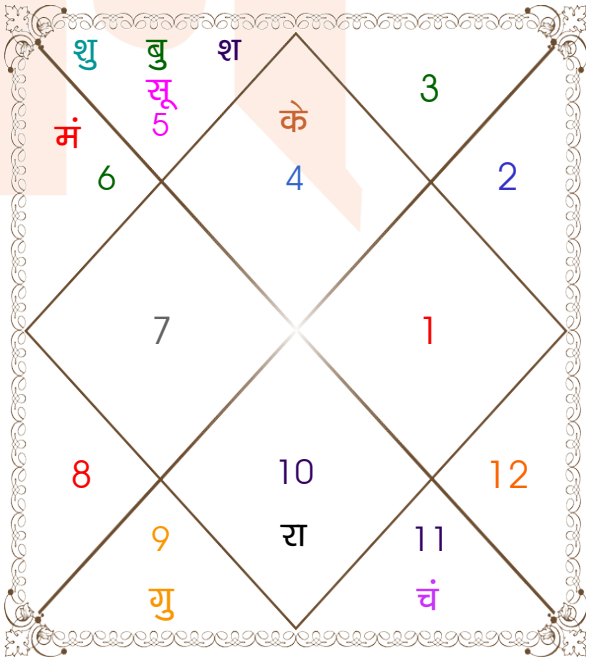

Gayatri jyotish karyalaya
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सिंह	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.50		

कुल : **20.5 / 36**

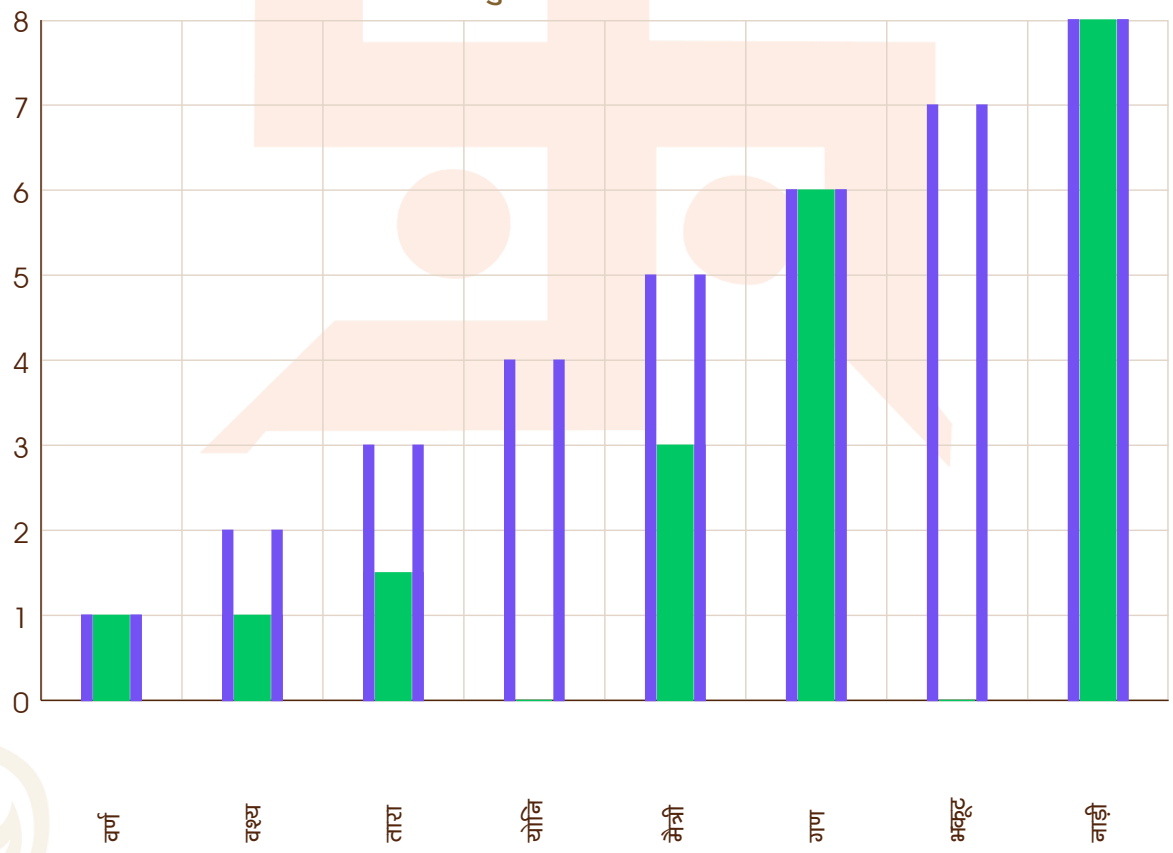

Gayatri jyotish karyalaya
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr. Devendra ji का वर्ग सिंह है तथा Ms. Soniya का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Devendra ji और Ms. Soniya का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Devendra ji मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Ms. Soniya मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Mr. Devendra ji तथा Ms. Soniya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. Devendra ji का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms. Soniya का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Ms. Soniya सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेंगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेंगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेंगी। Ms. Soniya एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमारदारी करती रहेंगी।

वश्य

Mr. Devendra ji का वश्य जलचर है एवं Ms. Soniya का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में Ms. Soniya अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि Mr. Devendra ji उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

Mr. Devendra ji की तारा विपत तथा Ms. Soniya की तारा मित्र है। Mr. Devendra ji की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr. Devendra ji एवं Mr. Devendra ji के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Ms. Soniya हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Ms. Soniya को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

Mr. Devendra ji की योनि गज है तथा Ms. Soniya की योनि सिंह है । अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जी सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक

जीवन को बचाये रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा समझदारी से निपटाना चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. Devendra ji एवं Ms. Soniya दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

Mr. Devendra ji का गण देव तथा Ms. Soniya का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Ms. Soniya अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Mr. Devendra ji से Ms. Soniya की राशि द्वादश भाव में स्थित है Ms. Soniya से Mr. Devendra ji की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में Mr. Devendra ji परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु Ms. Soniya का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। Ms. Soniya की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही Ms. Soniya तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

Mr. Devendra ji की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms. Soniya की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है।

अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Mr. Devendra ji की अन्त्य नाड़ी तथा Ms. Soniya की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr. Devendra ji की राशि जलतत्व युक्त मीन तथा Ms. Soniya की राशि वायुतत्व युक्त कुम्भ राशि है। जल एवं वायुतत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनके मध्य स्वभावगत असमानताएं होंगी जिससे संबंधों में तनाव रहेगा तथा वैवाहिक जीवन विशेष सुखी नहीं रहेगा। अतः यह मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

Mr. Devendra ji की जन्म राशि का स्वामी बृहस्पति तथा Ms. Soniya की राशि का स्वामी शनि परस्पर सम राशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से इनके आपसी संबंधों में मधुरता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति तथा आकर्षण भी विद्यमान होगा। साथ ही सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। यद्यपि यदा कदा एक दूसरे के प्रति इनकी उदासीनता का भाव भी रहेगा परन्तु सामान्यतया स्थिति शुभ ही रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर कमियों की उपेक्षा तथा गुणों की भी प्रशंसा करेंगे जिससे जीवन में सुख शांति का भाव रहेगा।

Mr. Devendra ji और Ms. Soniya की राशियां परस्पर द्वादश एवं द्वितीय भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष अशुभ माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा संबंधों में अनावश्यक कटुता तथा तनाव का भाव उत्पन्न होगा। वे एक दूसरे के प्रति उपेक्षा एवं आलोचनात्मक दृष्टिकोण भी रहेगा एवं एक दूसरे के अस्तित्व एवं समान को पूर्ण रूप से स्वीकार नहीं करेंगे। परन्तु यदि Mr. Devendra ji और Ms. Soniya सामंजस्य की प्रवृति एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो स्थिति में अनुकूलता आ सकती है।

Mr. Devendra ji का वश्य जलचर तथा Ms. Soniya का वश्य मानव है। मानव एवं जलचर में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं भिन्न होंगी। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे जिससे वैवाहिक जीवन में सुख शांति की न्यूनता रहेगी।

Mr. Devendra ji का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms. Soniya का वर्ण शूद्र है। अतः इनकी कार्य क्षमताओं में भी भिन्नता होगी। Mr. Devendra ji की प्रवृति धार्मिक तथा शैक्षणिक कार्यो को करने में रहेगी जबकि Ms. Soniya किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगी।

धन

Mr. Devendra ji और Ms. Soniya दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Mr. Devendra ji और Ms. Soniya दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। अतः यह भकूट दोष माना जाएगा जिससे धनार्जन में परिश्रम की

बहुलता रहेगी लेकिन मंगल के शुभ प्रभाव से उचित धन प्राप्त करके आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता बनी रहेगी।

भकूट दोष के प्रभाव से Mr. Devendra ji की प्रवृति व्ययशील होगी। वह जुआ सट्टा लाटरी आदि पर भी वे अधिक व्यय करेंगे जिससे यदा कदा अर्थिक विषमता की अनुभूति हो सकती है लेकिन इसका प्रभाव अधिक समय तक नहीं रहेगा। सामान्यतया स्थिति अनुकूल ही रहेगी तथापि Mr. Devendra ji को ऐसी प्रवृतियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

Mr. Devendra ji की नाड़ी अन्त्य तथा Ms. Soniya की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण दोनों शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तथा अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में समर्थ होंगे। जिससे दाम्पत्य जीवन में समृद्धि तथा प्रसन्नता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव भी किसी के स्वास्थ्य पर नहीं रहेगा जिससे उत्तम दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा तथा सुख एवं आनंद पूर्वक Mr. Devendra ji और Ms. Soniya अपना जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr. Devendra ji और Ms. Soniya का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr. Devendra ji और Ms. Soniya के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. Soniya के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. Soniya को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. Soniya को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr. Devendra ji और Ms. Soniya सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr. Devendra ji और Ms. Soniya का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. Soniya के अपनी सास के साथ संबधों में मधुरता रहेगी तथा इनके मध्य परस्पर सामंजस्य भी रहेगा। साथ ही सास से Ms. Soniya को कभी भी कोई परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। Ms. Soniya भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा सेवा करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुर पक्ष से Ms. Soniya को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं वे सन्तुष्ट तथा प्रसन्न अल्प मात्रा में ही रहेंगे। तथापि उनका हृदय जीतने के लिए Ms. Soniya उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं परस्पर सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। साथ ही देवर एवं ननदों से भी Ms. Soniya के मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर प्रतिद्वन्दिता तथा आलोचना का भाव रहेगा।

सामान्य रूप से सास ससुर का Ms. Soniya के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रहेगा तथा परिवार में उसकी महता को स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr. Devendra ji की अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उनके प्रति श्रद्धा सम्मान एवं सहयोग का भाव रहेगा। Mr. Devendra ji सपत्नीक समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे जिससे आपसी संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी। साथ ही Mr. Devendra ji का व्यवहार उनके प्रति विनम्रता से युक्त रहेगा।

ससुर के साथ भी Mr. Devendra ji के संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा। साथ ही इन दोनों के मध्य दामाद ससुर की अपेक्षा पिता पुत्र का भाव अधिक रहेगा। Mr. Devendra ji भी समय समय पर अपने समस्याओं के समाधान के लिए ससुर से सलाह लेते रहेंगे लेकिन साले तथा सालियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान तथा सहयोग की प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Mr. Devendra ji के प्रति अनुकूल रहेगा जिससे उनके आपसी संबंध अनौपचारिक रहेंगे।